परम् पूज्य श्रीमाताजी निर्मला देवी

सहज योग प्रचार प्रसार

F-79-B, रोड नं 6, विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र, जयपुर–302013
Tel. : 0141-2330470, Fax : 0141-2331149, Mob. : 9829010470
E-mail : mother_shrichand@yahoo.co.in

राष्ट्रीय सहज कृषि प्रोजेक्ट – सहज कृषि परीक्षण के दिशा निर्देश

1. **मूलभूत सिद्धान्त** –जो भी सहजयोगी इस प्रोजेक्ट में भाग ले रहा है नियमित ध्यान करेगा, सामूहिकता में रहेगा, पानी क्रिया करेगा तथा अपने आप को संतुलन में रखेगा।
   यह सुनिश्चित करेगा कि ध्यान के समय स्पष्ट चैतन्य लहरियॉ महसूस कर रहा है। हमेशा सामूहिकता में रहने का प्रयास करेगा।
   सहज कृषि परीक्षण का उद्देश्य अन्य कृषकों को सहजयोग की चैतन्य लहरियों के प्रभाव को दिखाना है, अतः दो प्लाट क्रमशः प (परीक्षण चैतन्यमय, सी (कन्ट्रोल–बिना चैतन्य) तुलनात्मक अध्ययन के बनाने होगे।
2. **परीक्षण केटेगरी** –हमेशा यह ध्यान रखना होगा कि ये कृषि परीक्षण श्रीमाताजी निर्मला देवी के आर्शीवाद से, चैतन्य लहरियों से कराये जा रहे है न की किसी अमुक सहजी द्वारा। इस प्रकार खरीफ में तीन प्रकार के परीक्षण किये जायेंगे।
   (1) फसलीय परीक्षण। (2) उघानिकी पेड पौधे परीक्षण। (3) पशु/पक्षी परीक्षण
   अतः सहजी अपनी क्षेत्रीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए परीक्षण चयन करे।
3. **सहज कृषि तकनिकी** – श्रीमाताजी निर्मला देवी का पूर्ण अंलकार कर, मोमबत्ती जलाकर काम में आने वाले कृषि आदान क्रमशः बीज/चारा/उर्वरक/खाद/जीवन्त वस्तु/पानी इत्यादि को माताजी के चरण कमलों में रखकर चैतन्यित करें। शाम को रखकर दूसरे दिन काम में लिया जा सकता है।
   सहजयोगियों द्वारा सामूहिक ध्यान किया जावे तथा सामूहिकता में श्री गणेश अथर्वाशीर्ष एवं श्री शाकम्भरी मंत्र का जाप भी करें।
1. **फसलीय परीक्षण** –(1) उपयुक्त फसल चयन करे (2) उपयुक्त प्लाट का चयन करें एक प्लाट में चैतन्य परीक्षण (प) तथा दूसरे में (कृषक विधि) कन्ट्रोल प्लाट (क) दोनों प्लाटों में सभी कृषि विधियाँ क्रमशः जुताई, बीज, खाद एवं उर्वरक, सिंचाई इत्यादि सामान रूप से अपनाई जायेगी बिना किसी भेदभाव के। सहजी कृषक अपनी सुविधा के अनुसार बडे क्षेत्र में भी परीक्षण कर सकता है। लेकिन बराबर क्षेत्र होना आवश्यक है।
   (2) फसलीय परीक्षण के अमुक फसल का बीज क्षेत्र के अनुसार दो भाग मे कर एक भाग श्री माताजी के समक्ष रखकर चैतन्य कर ले। बाद में इस चैतन्यमय बीज को एक भाग में मिला दें। दूसरे कन्ट्रोल प्लाट बिना चैतन्य के बीच को बोया जावे।
   (3) दोनों प्लाट में बुवाई, जुताई, खाद एवं उर्वरक, सिंचाई, कीट रसायन समान रूप से दी जाये किसी भी प्रकार का भेदभाव ना हो।
   (4) बीज अंकुरण के जाँच के लिए दोनों प्लाट के 100–100 बीज छिद्रयुक्त छलनी में मिट्टी भरकर रखा जावे/अंकुरित हुए बीज संख्या गिनकर रिकोर्ड संधारित किया जावे।
   (5) दोनों प्लाट में रेण्डम पद्धति के आधार पर 10–10 पौधे चयन कर टैग बांध दे तथा आवश्यक सूचनाऐ/आकडें किसी अन्य व्यक्ति से लिखवाकर निर्धारित प्रपत्र संख्या एक (1) में भरे।
   (6) सभी सूचनाऐ/आकडें नोडल सहज योगियों के मार्फत कृषि उप समिति को भिजवायेगे जिससे फसल के फोटो, फसल की बाली/भुट्टा/सिट्टा दोनों प्लाट के तुलनात्मक अध्ययन हेतु भी साथ में भेजे जायेंगे।
   (7) फसल कटाई के बाद दोनों प्लाट की उपज ध्यान देकर अलग अलग रिकार्ड कर तुलनात्मक स्थिति बतलायेंगे।
   (8) एक महत्वपूर्ण सूचना मौसम सम्बन्धी जैसे भारी बारिश, सूखा पाला, तेज हवा, भूचाल एवं अन्य विपदा के सम्बन्ध में भी सूचनाये अन्य में विवरण दे, क्या इसका प्रभाव चैतन्य प्लाट एवं कन्ट्रोल प्लाट पर देखने को मिला।
2. **उघानिकी परीक्षण** –मूलभूत उद्देश्य एवं विधि जो कि फसलीय परीक्षण में बतलाई गई है, उघानिकी परीक्षणों में भी लागू रहेगी, अगर कृषक के पास पुराना बगीचा है तो रेण्डम तरीके से 14–14 पेड क्रमशः चैतन्य व कन्ट्रोल प्लाट का चिन्हीकरण कर सूचनायें/रीडिंग ले सकता है। इन बगीचों में चैतन्यमय पानी, खाद/उर्वरक का उपयोग किया जावेगा।
   अगर नई उद्यानिकी फसलों को रोपण किया जा रहा है तो फसलीय परीक्षण के अनुसार बीज/रोपण कटिंग व पौधें या जीवन्त चीजों को चैतन्य कर उपयोग में लेगें। इन परीक्षणों की सूचनायें प्रपत्र संख्या दो (2) में संधारण किया जायेगा।
3. **पशु विज्ञान परीक्षण** – (1) जहाँ तक हो सके छोटे पशु/पक्षी जैसे खरगोश, ईमू बछडे पक्षी, मुर्गी इत्यादि का चयन इन परीक्षणों में करें।
   (2) चैतन्य व कन्ट्रोल के लिए 14–14 पशु/पक्षियों का चयन किया जावे जिससे जाति, उम्र एव वजन जहाँ तक हो सके दोनों परिस्थितियों मे सामान हो।
   (3) पशु विज्ञान परीक्षण मुख्यतया चैतन्यमय पानी व चारा इत्यादि को आधार मानते हुए किये जावेंगे। पहले 8 दिन किसी भी प्रकार की रीडिंग नहीं लेते हुए बाद की सभी सूचनायें प्रपत्र–3 में भरे, इस परीक्षण में यह ध्यान रखना है कि 56 दिन बाद चैतन्यमय पशु/पक्षी को कन्ट्रोल के स्थान (बाड़ा) में रखा जावे तथा कन्ट्रोल पशु/पक्षी को चैतन्यमय स्थान पर रखना है, यह ट्रायल भी आगे 56 दिन तक जारी रखनी है। इन परीक्षणों की सूचनायें प्रपत्र संख्या तीन (3) में संधारण किया जायेगा।
   अतः सभी दिशा निर्देशों का सही पालन करते हुए रीडिंग लेवे एवं सूचनाओं/आकडों इत्यादि के लिए संलग्न शीट में विवरण दिया जा रहा है, जिसमें अंकुरण, पौधो की ऊँचाई, चौडाई, फैलाव नापने की सही विधि फोटो के माध्यम से समझाई गई है।
   ;नोट:–कृपया अपने राज्य/क्षेत्र में सभी केन्द्रों पर भिजवाने की कृपा करें व कृषि से सम्बन्धित सहजयोगियों से खरीफ की कुछ फसल सहज–योग पद्धति से करने की प्रार्थना करें।

अधिक जानकारी हेतु जी.डी. पारीक मो.न. 9828451514, या E-mail : gdpareek@yahoo.com **से सम्पर्क करें।**

सधन्यवाद
आभार सहित

श्रीचन्द चौधरी
9829010470
सहजयोग प्रचार–प्रसार
एच. एच. श्रीमाताजी निर्मला देवी सहज योग ट्रस्ट

गाँव-गाँव में अलख जगाओ, सहज योग कृषि फैलाओ

सहज कृषि से फायदा

1. ज्यादा खाद्यान्न उत्पादन
2. पौधों की अच्छी बढ़वार/विकास
3. प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षा
4. पशु आहार की क्वालिटी में सुधार
5. पशुओं के स्वास्थ्य में सुधार, रोग प्रतिरोधकता
6. दुग्ध उत्पादन में बढोत्तरी

अधिक जानकारी हेतु जी.डी पारीक मो. न. 9828451514, या E-mail : gdpareek@yahoo.com • www.sahajkrishi.com से सम्पर्क करें।

परिशिष्ठ निरीक्षणे : सचित्र पद्धती

1	अंकुरण क्षमता टैस्ट	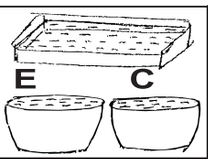	≡ छिद्रयुक्त प्लास्टिक ट्रे ≡ या मिट्टी से भरा हुआ पात्र 100 बीजों की बुवाई कर पानी देना
		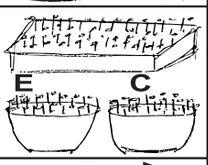	≡ पूर्ण अंकुरण के पश्चात् पौधों की संख्या गिनना एवं प्रतिशत निकलगा
2	पौधों की ऊचांई	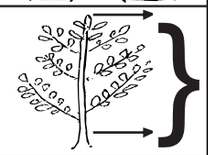	ऊँचाई (से.मी)
3	पौधों का फैलाव	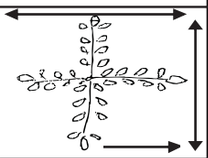	पूर्व–पश्चिम घेर (सेमी) दक्षिण–उत्तर घेर (सेमी)
4	भुट्टा / सिट्टा की साईज	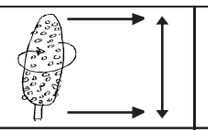	ऊँचाई लम्बाई एवं घेर (परिधि) से.मी
5	अनाज का वजन	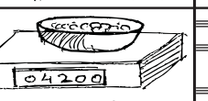 अनाज (100 ग्राम)–बर्तन का वजन	≡ खाली पात्र का वजन ≡ 100 ग्राम बीज रखकर वजन ≡ खाली बर्तन का वजन कम करके पुनः वजन
6	प्राथमिक शाखॉयें	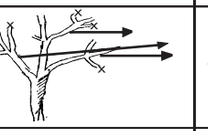	प्राथमिक शाखायें
7	फूल का व्यास	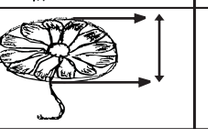	घेर (सेमी)
8	जानवर के शरीर का नाप	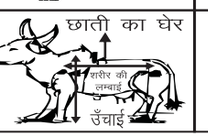	छाती का घेरा

फसलीय परीक्षण रिकार्ड संधारण हेतु प्रपत्र–1

क्र. सं.	कृषक का नाम	फसल	किस्म	क्षेत्रफल वर्ग मी.		बीज की मात्रा किलो		बुवाई का तरीका एवं बुवाई दिनांक	अंकुरण दिनांक एवं अंकुरण प्रतिशत	पौधे की ऊँचाई (से.मी.)					
										परीक्षण			कन्ट्रोल		
										30 दिन	60 दिन	90 दिन	30 दिन	60 दिन	90 दिन
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11			12		

फूल आने की दिनांक		सम्पूर्ण फूल अवस्था दिनांक		फसल पकने की दिनांक		कटाई दिनांक		पैदावार वि./है.		कीट/बीमारी का प्रेक्षण		बाली की लम्बाई		100 ग्राम वजन या 1000 दानों का वजन		दानों की क्वालिटी	
परीक्षण	कन्ट्रोल	परीक्षण	कन्ट्रोल	परीक्षण	कन्ट्रोल	परीक्षण	कन्ट्रोल	परीक्षण	कन्ट्रोल	परीक्षण	कन्ट्रोल	परीक्षण	कन्ट्रोल	परीक्षण	कन्ट्रोल	परीक्षण	कन्ट्रोल

क = कन्ट्रोल प्लाट (अचैतन्यमय)

उद्यानिकी परीक्षण रिकार्ड संधारण हेतु प्रपत्र–2

नोट : प = परीक्षण प्लाट (चैतन्यमय)

क्र. सं.	कृषक का नाम	फसल	किस्म	पेडों की संख्या		नये पेडों का रोपण		पेड़ रोपण की विधि	पौधों की ऊचाई एवं फैलाव (सेमी)		प्राथमिक शाखाओं की संख्या (नये बाग में)	फूल आने की दिनांक		भरपूर फूल अवस्था दिनांक	
				परीक्षण	कन्ट्रोल	परीक्षण	कन्ट्रोल		परीक्षण	कन्ट्रोल		परीक्षण	कन्ट्रोल	परीक्षण	कन्ट्रोल

फूलों का व्यास (फूलों की खेती में)		फूल/डंठल की लम्बाई (से.मी)		फूलों की संख्या प्रति बीघा		फूल/फल पैदावार वि./है.		लम्बे समय तक रहने की क्वालिटी	
परीक्षण	कन्ट्रोल	परीक्षण	कन्ट्रोल	परीक्षण	कन्ट्रोल	परीक्षण	कन्ट्रोल	परीक्षण	कन्ट्रोल

नोट : प = परीक्षण प्लाट (चैतन्यमय) **क = कन्ट्रोल प्लाट (अचैतन्यमय)**

पशु/पक्षी परीक्षण रिकार्ड संधारण हेतु प्रपत्र–3

क्र. सं.	कृषक का नाम	पशु/पक्षी का परीक्षण में उपयोग	जाति नस्ल	पशु/पक्षी की संख्या		परीक्षण शुरू करने की दिनांक		पानी, चारा की मात्रा उपभोग में ली किलो/लीटर		शुरू में पशु/पक्षी का वजन ग्राम/किलो		अन्तिम वजन 28 दिन बाद		कीट/बीमारी का प्रकोप	
				प	क	प	क	प	क	प	क	प	क	प	क

क = कन्ट्रोल प्लाट (अचैतन्यमय) **नोट : प = परीक्षण प्लाट (चैतन्यमय)**

नोट : सहज कृषि की समस्त जानकारी की प्रगति भेजे–श्री जी.डी. पारीक सहज कृषि प्रोजेक्ट C/O. एच.एच. श्री माताजी निर्मला देवी सहजयोग ट्रस्ट, जनोपयोगी भवन के पीछे, मन्दिर मार्ग, सेक्टर 9, मानसरोवर, जयपुर को भेजे। मो. 9828451514, ई–मेल : gdpareek@yahoo.com